मुख्यमंत्री ने देश-विदेश के प्रवासी राजस्थानी चैप्टर्स से वीडियो पर संवाद किया

उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों को 10 दिसम्बर के कार्यक्रम में आर्थिक विकास से जुड़ने के लिए आमंत्रित किया

जयपुर, 24 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिग के माध्यम से देश-विदेश के प्रवासी राजस्थानी चैप्टर्स के साथ वन- टू- वन संवाद किया। इस दौरान उन्होंने चैप्टर्स के अध्यक्षों से अपने क्षेत्र के प्रवासी राजस्थानियों को राजस्थान में सामाजिक एवं आर्थिक विकास से संबंधित गतिविधियों में भाग लेने और 10 दिसंबर को आयोजित होने वाले प्रवासी राजस्थानी दिवस कार्यक्रम से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करने का आ ान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रवासी राजस्थानी चैप्टर्स को सुदृढ़ किया है। आज देश-विदेश में 26 चैप्टर्स के अध्यक्ष मनोनीत कर दिए गए हैं और ये सभी क्रियाशील हैं। इन चैप्टर्स की कार्यकारिणी का अनुमोदन भी किया जा चुका है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रवासी राजस्थानियों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रत्येक जिले में अतिरिक्त जिला कलक्टर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी दिवस के अवसर पर, राज्य सरकार प्रवासी राजस्थानी सम्मान देगी और विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने वाले प्रवासियों को सम्मानित भी करेगी। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने हाल ही में 'राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी राजस्थानी मामले विभाग' का गठन किया है।

वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के दौरान, चैप्टर्स ने राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय प्रवासी राजस्थानी मामले विभाग के गठन के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को 10 दिसंबर को आयोजित होने वाले प्रवासी राजस्थानी दिवस सामारोह के संदर्भ में देश-विदेश में बने प्रवासी राजस्थानी चैप्टर्स के साथ विडियो के जरिये विचार विमर्श किया।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार राजस्थानी दिवस पर विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने वाले प्रवासियों को सम्मानित करेगी।**

अपने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

धर्मेन्द्र आए, स्क्रीन पर उतरे, शर्ट उतारी, अपनी मर्दानगी को खुलकर जिया, अपनी ग्रीक-गॉड जैसी शक्ल-सूरत से लोगों को हैरान कर दिया और ऐसा असर छोड़ा, जैसा, तब तक, बहुत कम अभिनेता छोड़ पाए थे। भारतीय दर्शकों के लिए सिनेमा का खेल बदल गया था। सिनेमा का एक नया धर्म पैदा हुआ, जिसका नाम था "धरम"। गरम, नरम - "धरम" के लिए विशेषणों की कोई कमी नहीं थी। उपनाम भी उतने ही: ग्रीक गॉड, धरती का बेटा, पारिवारिक व्यक्ति, और एक ऐसा इंसान, जो अपनी भावनाएँ खुलकर दिखाता था। वे हर पात्र की छवि में बिना किसी प्रयास के फिट बैठ जाते थे। उन्होंने जिंदगी को खुलकर जिया। प्यार किया तो पूरी तरह किया। उनके लिए "आज" ही सब कुछ था। और जब वे अपने सीटी-मार डायलॉग्स के साथ स्क्रीन पर आते थे तो भारतीय दर्शक तालियों से अपनी प्रतिक्रिया देते थे। उन्होंने यह जादू छह दशकों तक किया। 300 से भी ज़्यादा फिल्में, अनेक हिट फिल्में दीं, और नब्बे साल तक भारतीय दर्शकों को बांधे रखा। 24 नवंबर को धर्मेन्द्र ने अपने इस बड़े परिवार-अपने दर्शकों-से आखिरी विदाई ले ली, अपने 90वें जन्मदिन से ठीक दो हफ्ते पहले। धर्मेन्द्र का मुंबई आना और भारत के सबसे लोकप्रिय सितारों में से एक बन जाना किसी सपने जैसा है। स्क्रीन आइकन दिलीप कुमार ने इस साधारण से गाँव के लड़के, पंजाब के लुधियाना ज़िले के नसराली गाँव के धर्मेन्द्र को एक्टर बनने के लिए प्रेरित किया। 1948 में आई फिल्म शहीद, जिसमें दिलीप कुमार मुख्य भूमिका में थे, ने युवा धर्मेन्द्र के दिल पर अमिट असर छोड़ा था।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होने से पहले जो भी प्रक्रिया शुरू हुई, उसने यह भी दिखाया है कि बांग्लादेश से भारत में बड़े पैमाने पर घुसपैठ हुई है। जो लोग अवैध रूप से देश में रह रहे थे, वे अब डर गए हैं और चुपचाप देश छोड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

एसआईआर प्रक्रिया के लागू होने के बाद कई खुलासे सामने आए हैं। इस प्रक्रिया ने उन अनेक बांग्लादेशी अवैध प्रवासियों में डर पैदा कर दिया है, जो चोरी-छिपे भारत आए और यहां रह रहे थे।

ये अवैध घुसपैठिए अब तक उन सभी सरकारी योजनाओं का लाभ ले रहे थे, जो सिर्फ भारत के नागरिकों के लिए हैं। आम भारतीयों से मिले टैक्स रैवेन्यु और पब्लिक के पैसे का इस्तेमाल गरीब भारतीय परिवारों के लिए बनीं योजनाओं पर खर्च होना चाहिए था, लेकिन इन अवैध लोगों को भी वही लाभ मिलते रहे।

यह सामान्य परिस्थितियों में अपराध है और पकड़े जाने पर इन्हें सज़ा हो सकती है। इसके अलावा, बिना वैध कागज़ों के किसी देश में रहना भी एक क्रिमिनल अपराध है।

कुछ स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, इन अवैध घुसपैठियों का बड़ा हिस्सा अब अपनी दुकानें बंद कर बांग्लादेश लौट गया है। उम्मीद है कि जल्द ही और भी लोग वापस जाएंगे। भारत-बांग्लादेश सीमा के कई हिस्सों में बड़ी संख्या में लोग बांग्लादेश की ओर लौटने की जल्दी में दिखाई दे रहे हैं।

वैसे भी, अगर इनमें से किसी अवैध घुसपैठिए को पकड़ा गया तो उसे गंभीर परिणामों का सामना करना पड़ेगा और हिरासत में लिया जाएगा। ऐसी संभावना को देखते हुए कई लोग पहले ही बांग्लादेश लौट गए हैं। कुछ इलाकों में कुछ अफरा-तफरी की स्थिति भी है।

- **यह बांग्लादेशी ममता बनर्जी का वफादार वोट बैंक था और ममता जी ने उन्हें विश्वास दिलाया था कि वे सर प्रक्रिया पूरी नहीं होने देंगी, पर, सर प्रक्रिया पूरी होती देख, यह वोट बैंक टूटा तो है ही और नाराज़ भी है, ममता जी से।**

अरबपति लक्ष्मी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेबर सरकार की पुनर्वितरण नीति (रीडिस्ट्रीब्यूशन पॉलिसी) से भरे राजनीतिक माहौल, जैसे "मेंशन टैक्स" की चर्चाएँ, और पहले "एग्ज़िट टैक्स" पर विचार, ने ऐसी अनिश्चितता पैदा कर दी है, जिसे इन्वैस्टर्स टैक्स के बोझ से भी ज्यादा खतरनाक मानते हैं। असल में, ब्रिटेन के इस बदलाव ने वैल्थ मैनेजमैंट में राजनीतिक जोखिम जोड़ दिया है, एक ऐसा जोखिम, जिससे लंदन हमेशा निवेशकों को सुरक्षित रखता था। इन नए नियमों के लागू होने के साथ, यूके अब एक उच्च-कर और उच्च-अनिश्चितता वाले देश जैसा दिखने लगा है, न कि एक स्थिर वैश्विक निवेश केन्द्र जो वह दशकों तक रहा है। मित्तल की प्रतिक्रिया इस नई सच्चाई को दिखाती है। वे अब स्विट्ज़रलैंड के टैक्स निवासी हैं, जो अपनी स्थिरता और स्पष्ट नियमों के लिए जाना जाता है। मित्तल अपना अधिकांश समय दुबई में बिताने की योजना बना रहे हैं, जहाँ वैश्विक संपत्ति पर कोई इनहेरिटेंस टैक्स नहीं लगता। दुबई के अल्ट्रा लग्ज़री नाया आइलैंड प्रोजेक्ट में उनकी नई बड़ी निवेश योजनाएँ दिखाती हैं कि यह कदम अस्थायी नहीं, बल्कि स्थाई है। यह ब्रिटिश कारोबारी इतिहास के एक महत्वपूर्ण अध्याय का अंत है और यूके में टैक्स सुधारों के बाद वैश्विक संपत्ति के प्रवाह में होने वाले बड़े बदलावों का प्रारंभिक संकेत भी है।

'धारीवाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कपिल सिब्बल ने धारीवाल की ओर से बहस करते हुए कहा कि मामले में मूल परिवादी रामशरण सिंह की मृत्यु हो चुकी है।

ऐसे में अशोक पाठक को इंटरवीनर के तौर पर क्यों सुना जा रहा है, जबकि उन्हें सुनवाई का कोई अधिकार ही प्राप्त नहीं है। इसके जवाब में पाठक की ओर से सीनियर एडवोकेट कुंवर सुलतान सिंह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने ही पूर्व में पाठक को इस मामले में इंटरवीनर बनाया है। वहीं, पाठक की एसएलपी पर ही सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मामले को वापस हाईकोर्ट को रिमांड करते हुए वापस सुनवाई कर छह माह में फैसला देने को कहा था। ऐसे में पाठक को मामले में इंटरवीनर के तौर पर पक्ष रखने का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनकर धारीवाल को हाईकोर्ट के अंतरिम आदेश पर आपत्ति बताने के लिए कहा।

अभी तक नीतीश सरकार के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में तेज़ बढ़ोतरी हुई, जिनमें कई हाई-प्रोफ़ाइल हत्याएँ भी शामिल हैं। ये घटनाएँ हालिया विधानसभा चुनावों में विपक्षी महागठबंधन (एमजीबी) का बड़ा चुनावी मुद्दा भी बन गई थीं।

भगवा पार्टी का मानना है कि गृह विभाग उसके पास होने से प्रशासनिक नियंत्रण मजबूत होगा और शासन बेहतर तरीके से चल सकेगा। लेकिन जेडीयू के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि इस फैसले को पार्टी के अन्दर नीतीश कुमार के अधिकार एवं शक्ति को कमजोर करने के लिए सोची-समझी कोशिश के रूप में देखा गया है।

एक वरिष्ठ जेडीयू नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री ने भाजपा को साफ बता दिया है कि "बदली हुई राजनीतिक परिस्थिति" में पार्टी स्पीकर के पद पर कोई समझौता नहीं कर सकती। उनके अनुसार, स्पीकर का यह पद दलबदल रोकने और विधानसभा में स्थिरता बनाए रखने के लिहाज से बहुत महत्वपूर्ण है।

जेडीयू नेता ने कहा, "हमारे लिए स्पीकर का पद पार्टी को सुरक्षित रखने के लिए अति आवश्यक है। हम फिलहाल अपने किसी भी विधायक के दलबदल का जोखिम नहीं उठा सकते। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा "कुछ भी सुनने के लिए तैयार नहीं है।"

दूसरी तरफ, भाजपा का कहना है कि स्पीकर का पद, पारंपरिक रुप से, लगभग दो दशकों से, उसके पास रहा है, इसलिए अब इसे छोड़ने का कोई भी कारण उसकी समझ से बाहर है। इस पद को भाजपा के पास रहने से वह विधानसभा के भीतर संस्थागत प्रभाव बनाए रख सकेगी। इस बीच, विपक्ष ने सरकार पर हमले तेज कर दिए हैं। महागठबंधन के नेता और जन सुराज के प्रमुख प्रशांत किशोर बार-बार उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और तीन अन्य मंत्रियों पर व्यापक भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं।

उनके अनुसार, इन नेताओं ने फ़र्जी शैक्षिणक और जन्म संबंधी दस्तावेज़ बनाए हैं और राजनीतिक प्रभाव का उपयोग करके बैंहिसाब संपत्ति जुटाई है। विपक्षी दलों को आशंका है कि भाजपा-जेडीयू सरकार अब गृह विभाग की शक्तियों का उपयोग करके विरोधी आवाज़ों को निशाना बना सकती है और भ्रष्टाचार के आरोपों को दबा सकती है। बढ़ते तनाव और समाधान की कोई संभावना नज़र न आने के कारण, नई बनी एनडीए सरकार का सुचारु संचालन अब काफी अनिश्चित दिखाई दे रहा है।

समाप्त ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मानना है कि पार्टी में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है तथा आलाकमान को इस मामले में फैसला लेना चाहिए। ये विधायक आलाकमान के जवाब का इंतजार कर रहे हैं।

न्यायमूर्ती सूर्यकांत ने भारत के मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ ली

नयी दिल्ली, 24 नवंबर। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने आज उच्चतम न्यायालय के 53वें मुख्य न्यायाधीश का पदभार ग्रहण कर लिया।

इससे पूर्व, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें राष्ट्रपति भवन में एक गरिमामय समारोह में मुख्य न्यायाधीश के पद की शपथ दिलायी।

उन्होंने हिंदी में शपथ ली और शपथ ग्रहण के बाद पूर्ववर्ती मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई से गले मिलकर उनका गर्मजोशी से अभिवादन किया। उनका कार्यकाल नौ फ़रवरी 2027 तक होगा। न्यायमूर्ति बी. आर. गवई 23 नवंबर को सेवानिवृत हुए हैं।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत का शपथ ग्रहण समारोह इस दृष्टि से ऐतिहासिक रहा कि इसमें छह देशों-भूटान, केन्या, मलेशिया, मॉरीशस, नेपाल और श्रीलंका के मुख्य न्यायाधीश या वहां के सुप्रीम कोर्ट के जज शामिल हुए। पहला अवसर है, जब देश के मुख्य न्यायाधीश के शपथ ग्रहण समारोह में इतना बड़ा विदेशी न्यायिक प्रतिनिधि मंडल शामिल हुआ।

शपथ ग्रहण समारोह में उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एच डी कुमारस्वामी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे पी नड्डा, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह तथा कई अन्य प्रमुख केन्द्रीय मंत्री और गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

मोदी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अयोध्या में पवित्र राम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर भगवा झंडा फहराएंगे, जो मंदिर के निर्माण के पूरा होने और सांस्कृतिक उत्सव और राष्ट्रीय एकता के एक नए अध्याय की शुरुआत का प्रतीक होगा। प्रधानमंत्री इस ऐतिहासिक मौके पर सभा को भी संबोधित करेंगे।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908